नवोदय (Navodaya)

दिनांक (Dated): 06/03/2022 | पृष्ठ सं० (Page No). 07 | क्रम सं०(Serial No.)

सीआईएसएफ में महिलाओं की हिस्सेदारी 20 फीसद करेंगे : शाह

गृहमंत्री बोले-शताब्दी वर्ष के लिए सुरक्षा कवच का प्लान तैयार करे सीआईएसएफ

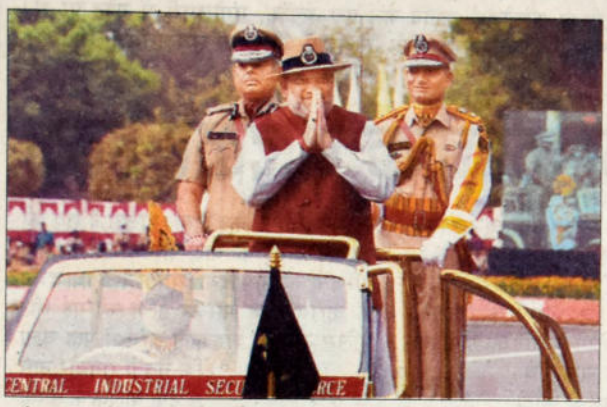

परेड का अवलोकन करते गृहमंत्री अमित शाह और अपने जौहर दिखातीं महिला जवान।

गाजियाबाद, 6 मार्च (नवोदय टाइम्स): केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश के समग्र विकास और सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ को बहुत महत्वपूर्ण संस्था बताया है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ के बिना ढाई ट्रिलियन की इकोनोमी दर के सफर को हासिल करना असंभव था। गृहमंत्री ने सीआईएसएफ में महिला जवानों की हिस्सेदारी 6 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसद करने की बात कही। रविवार को अमित शाह सीआईएसएफ के 53वें स्थापना दिवस के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि इंदिरापुरम स्थित 5वीं बटालियन में पहुंचे थे। वहां उन्होंने परेड की सलामी लेने के बाद सीआईएसएफ जवानों, अधिकारियों व मौजूद अतिथियों को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं।

अमित शाह ने कहा कि सीआईएसएफ देश में उत्पादन की गति को बनाए रखने वाला बल है। यह बल अकेले दम पर देश भर के ओद्यौगिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षा मुहैया नहीं करा सकता। ऐसे में देश के ओद्यौगिक विकास के लिए सीआईएसएफ निजी सुरक्षा कंपनियों को ट्रेनिंग दे, ताकि वह देश के प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का जिम्मा बखूबी संभाल सकें। गृहमंत्री ने कहा कि कुछ समय बाद सीआईएसएफ की तैनाती का दायरा और बड़ा होने जा रहा है। यह अकेला ऐसा बल है, जहां महिलाकर्मियों की संख्या बढ़ा सकते हैं। मैं आज डीजी को कहूंगा कि महिलाओं की संख्या का अनुपात 94.6 से बढ़ाकर 80.20 किया जाए। उन्होंने डीजी से कहा कि वह संस्था में 20 फीसद महिला जवानों की हिस्सेदारी का प्रपोजल बनाएं। शाह ने डीजी से साल भर के भीतर देश के शताब्दी वर्ष के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था की कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। अमित शाह ने कहा कि सीआईएसएफ के जवान अपनी कुशलता और दक्षता से तमाम खतरों और चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालकर खतरों को निपटने और देश के विकास में भागीदारी निभा रहे हैं। इस मौके पर सीआईएसएफ के डीजी शील वर्धन सिंह ने मुख्य अतिथि को सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट किया। आम जन में सीआईएसएफ के जवानों की छवि अच्छी है। कोरोना काल के बाद ऑपरेशन गंगा में भी सीआईएसफ की भूमिका अहम है। मुख्य अतिथि ने कोरोना काल के दौरान फ्रंट लाइन वारियर्स के रूप में काम करने वाले और बीते साल अग्निकांड में मारे गए शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान गृहमंत्री ने सीआईएसएफ के वार्षिक इन-हाउस प्रकाशन सेंटिनल-2022 नामक किताब का विमोचन किया।